दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

मार्टी कि मंजूरी और संचालक मंडल कि नियुक्ति तक नबील जमा और उनके साथियों ने समय-समय पर फालोअप किया था, अब इस के पूरि तर्ह शुरू होने पर सभी ने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा ताई पवार का आभार व्यक्त करते हुए इसे जल्द फंक्शन में लाने का भी अनुरोध किया

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१०७ वा | गुरूवार ३० एप्रिल २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान का दावा: सियासी बयानबाज़ी या बदलते जनमत का संकेत?

कोलकाता एजेंसी

पश्चिम बंगाल में आज़ादी के बाद सबसे ज़्यादा मतदान का दावा राजनीतिक माहौल को बेहद प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है। इस तरह के बयान आमतौर पर चुनाव को ऐतिहासिक बनाने और जनता की भागीदारी को विशेष महत्व देने के लिए दिए जाते हैं। अधिक मतदान को लोकतांत्रिक सक्रियता का संकेत माना जाता है, लेकिन इसके पीछे कई राजनीतिक और सामाजिक कारक भी होते हैं।

राजनीतिक दल अपने-अपने दृष्टिकोण से इस तरह के दावों की व्याख्या करते हैं। सत्ताधारी दल इसे अपनी नीतियों के समर्थन के रूप में पेश करता है, जबकि विपक्ष इसे बदलाव की इच्छा का संकेत बताता है। हालांकि, ऐसे बयानों में अक्सर ठोस आंकड़ों या प्रतिशत का अभाव होता है, जिससे यह केवल एक भावनात्मक दावा बनकर रह जाता है। वास्तविक स्थिति समझने के लिए चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़ों का विश्लेषण जरूरी होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अधिक मतदान के पीछे तेज़ चुनावी प्रचार, राजनीतिक ध्रुवीकरण और स्थानीय मुद्दों की बड़ी भूमिका होती है। कई बार क्षेत्रीय समस्याएं राष्ट्रीय मुद्दों से अधिक प्रभाव डालती हैं। नेता और राजनीतिक दल मतदान प्रतिशत को अपने पक्ष में प्रस्तुत करने की कोशिश करते हैं, जबकि मीडिया इन बयानों को प्रमुखता देकर चुनावी माहौल को और गर्म कर देता है।

युवा और महिला मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी भी उच्च मतदान का एक महत्वपूर्ण कारण मानी जाती है। इसके अलावा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच मतदान का अंतर भी चुनावी विश्लेषण में अहम भूमिका निभाता है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि अधिक मतदान किसी एक पार्टी की जीत की गारंटी नहीं होता, बल्कि यह केवल जनभागीदारी को दर्शाता है।

सोशल मीडिया के दौर में ऐसे बयान तेजी से फैलते हैं और जनमत को प्रभावित करते हैं, इसलिए फैक्ट-चेकिंग की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। आज़ादी के बाद सबसे ज़्यादा जैसे वाक्य अक्सर प्रभाव बढ़ाने के लिए उपयोग किए जाते हैं, लेकिन इनके लिए ठोस ऐतिहासिक डेटा जरूरी होता है।

विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी परिणामों से पहले ही इस तरह के बयान माहौल बनाने का काम करते हैं। इससे

▶▶पान ४ पे

मुस्लिम संरक्षण आंदोलन को नगराध्यक्ष की टीम का समर्थन

१ मई के आंदोलन में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील

रिपोर्ट: बीड प्रतिनिधि

बीड (प्रतिनिधि) - अब केवल आश्वासन नहीं, हकीकत चाहिए इस स्पष्ट रुख के साथ सकल मुस्लिम समाज और संरक्षण क्रिया समिति ने १ मई २०२४ को महाराष्ट्र मुस्लिम संरक्षण आंदोलन का आह्वान किया है। इस आंदोलन को विभिन्न स्तरों से समर्थन मिल रहा है। इसी क्रम में नगराध्यक्ष प्रभाताई पारवे की टीम ने भी आंदोलन को अपना समर्थन दिया है।

महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर आयोजित इस आंदोलन में अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की गई है। इसमें वरिष्ठ, अनुभवी और युवा पदाधिकारी, नगरसेवक तथा विभिन्न जनप्रतिनिधियों के माध्यम से उत्साह देखा जा रहा है। मुस्लिम समाज की शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए नगराध्यक्ष प्रभाताई पारवे और उनकी टीम ने पूर्ण समर्थन देने की बात कही है।

इस आंदोलन को समर्थन देने वालों में उपनगराध्यक्ष विनोद मुलूक, गटनेता फारूक पटेल, नगरसेवक मोईन मास्टर, शेख निजाम, स्थानीय समिति के सदस्य, नगरसेवक

▶▶पान ४ पे

अणुशक्तिनगर में अल्पसंख्यक बालिकाओं के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने का निर्णय

विधायक सना मलिक की कामयाब कोशिश

मुंबई/ जमीर काजी

मुंबई: अणुशक्तिनगर क्षेत्र में अल्पसंख्यक बालिकाओं के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करने का महत्वपूर्ण और सकारात्मक निर्णय आज राज्य की उपमुख्यमंत्री एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री सुनेत्रा पवार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में अल्पसंख्यक विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

इस महत्वपूर्ण निर्णय के पीछे विधायक सना मलिक के सतत प्रयासों को अहम माना जा रहा है। उनके द्वारा लगातार किए गए प्रयासों और फॉलोअप के चलते इस प्रस्ताव को गति मिली और सरकार ने इस दिशा में ठोस निर्णय लिया।

बैठक में इस बात पर सर्वसम्मति बनी कि अल्पसंख्यक बालिकाओं के तकनीकी शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसी के तहत चेंबूर स्थित अणुशक्तिनगर में प्रस्तावित इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण कार्य को गति देने के निर्देश उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने संबंधित अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि

▶▶पान ४ पे

मुस्लिम समुदाय के विकास योजनाओं पर सुनेत्रा ताई पवार प्रतिबद्ध

बालिकाओं के छात्रावास और 'मार्टी' संस्था पर ठोस भूमिका-शेख निजाम

रिपोर्ट: बीड संवाददाता

अल्पसंख्यक विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा के लिए आज आयोजित बैठक सकारात्मक और परिणामकारक चर्चा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

इस अवसर पर राज्य सरकार ने शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से अल्पसंख्यक समाज के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मुंबई के चेंबूर स्थित अणुशक्तिनगर क्षेत्र तथा बीड में अल्पसंख्यक बालिकाओं के लिए प्रस्तावित छात्रावास हेतु भूमि उपलब्ध कराकर कार्य में तेजी लाई जाए।

इस दिशा में विधायक विजयसिंह पंडित, नगराध्यक्ष प्रेमलता पारवे, उपनगराध्यक्ष विनोद मुलूक, शेख मुजीबभाई, फारुख पटेल तथा भागवत तावरे निरंतर प्रयासरत हैं।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि अल्पसंख्यक समाज की शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक उन्नति के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। विशेष रूप से बालिकाओं के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता बताया गया।

इस बैठक में 'मार्टी' संस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संस्था के लिए स्वतंत्र लेखा खोलने, कार्यप्रणाली को सशक्त बनाने हेतु स्वीकृत पदों को शीघ्र भरने तथा अस्थायी रूप से किराए के आधार पर कार्यालय शुरू करने के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाया गया।

अल्पसंख्यक युवाओं को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए भी कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगारोन्मुख कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने पर

▶▶पान ४ पे

विधायक अबु आसेम आजमीने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से की मुलाकात

बकरी ईद की तैयारियों और मराठी भाषा नियम पर अहम चर्चा

मुंबई जमीर काजी

मुंबई से रिपोर्ट के अनुसार, समाजवादी पार्टी के विधायक अबु आसेम आजमी ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर राज्य में ईद-उल-अजहा (बकरी ईद) के शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रशासन, धर्मगुरुओं और संबंधित संगठनों की संयुक्त बैठक जल्द आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि त्योहार के दौरान बेहतर समन्वय और व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

मुलाकात के दौरान १ मई २०२६ से लागू होने वाले टैक्सी और ऑटो परमिट में

▶▶पान ४ पे

महाराष्ट्र दिवस पर सुनेत्रा पवार बीड में करेंगी ध्वजारोहण

रिपोर्ट: बीड प्रतिनिधि

बीड, २९ (प्रतिनिधि): बीड जिले की पालक मंत्री और राज्य की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के बीड में आकर ध्वजारोहण करने की मांग जिलेभर से उठ रही थी। इसी पृष्ठभूमि में राज्य सरकार ने महाराष्ट्र दिवस के ध्वजारोहण कार्यक्रम में बदलाव किया है। अब सुनेत्रा पवार बीड में, जबकि माधुरी मिसाळ पुणे में ध्वजारोहण करेंगी।

पिछले सप्ताह राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में बीड में ध्वजारोहण के लिए बाबासाहेब पाटील का नाम घोषित किया गया था। लेकिन बाद में परिस्थितियों में बदलाव के चलते यह निर्णय संशोधित किया गया।

अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद बीड जिले के पालक मंत्री की जिम्मेदारी सुनेत्रा पवार को

▶▶पान ४ पे

मस्साजोग ग्राम पंचायत उपचुनाव में चौंकाने वाला परिणाम; स्वरूपानंद देशमुख ९२ वोटों से विजयी

९ वोटों की हार से ९२ वोटों की जीत तक

बीड (प्रतिनिधि): मस्साजोग ग्राम पंचायत उपचुनाव में इस बार बेहद चौंकाने वाला परिणाम सामने आया, जिसमें स्वरूपानंद देशमुख ने ९२ मतों के अंतर से जीत दर्ज की। यह जीत इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि पिछली बार उन्हें मात्र ९ मतों से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि इस बार उन्होंने उसी अंतर को बड़े अंतर की जीत में बदल दिया।

स्थानीय स्तर पर इस परिणाम को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मतदाताओं ने इस बार स्पष्ट जनादेश देते हुए स्वरूपानंद देशमुख के पक्ष में समर्थन दिखाया। चुनाव के दौरान गांव में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अंतिम परिणाम ने सभी को चौंका दिया।

इस जीत के साथ ही गांव

▶▶पान ४ पे

मुस्लिम आरक्षण कार्रवाई समिति की पहली लड़ाई को सफलता

समिति की मांग पर मार्टी को सक्षम करने के निर्देश, इस सफलता का श्रेय एकजुट होकर लड़ने वाले समाज को जाता है-अरबाज पठाण

बीड । प्रतिनिधि

मुस्लिम आरक्षण कार्रवाई समिति द्वारा १७ तारीख को बीड में निकाले गए भव्य मोर्चे के बाद राज्य सरकार ने समिति की प्रमुख मांगों पर गंभीरता से ध्यान दिया है। समिति के प्रमुख अरबाज पठाण के नेतृत्व में उठाए गए मुद्दों पर सकारात्मक कदम उठते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। अल्पसंख्यक विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के लिए हुई इस बैठक में शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सशक्तिकरण जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में लिए गए निर्णय सकारात्मक और प्रभावी साबित हो सकते हैं।

बैठक के दौरान राज्य सरकार ने अल्पसंख्यक समाज के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए मुंबई के चेंबूर स्थित अणुशक्तीनगर क्षेत्र में अल्पसंख्यक लड़कियों के लिए प्रस्तावित इंजीनियरिंग कॉलेज के निर्माण कार्य को तेज करने के निर्देश दिए गए। इस पहल से अल्पसंख्यक लड़कियों को उच्च तकनीकी शिक्षा के अधिक अवसर मिलेंगे।

अल्पसंख्यक समाज के शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया। खासकर लड़कियों की शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता बताया गया।

इसके अलावा 'मार्टी' संस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। संस्था के लिए अलग खाता खोलने, स्वीकृत पदों को तुरंत भरने और अस्थायी रूप से किराए पर कार्यालय शुरू करने जैसे निर्णयों पर सकारात्मक संकेत मिले हैं। साथ ही, अल्पसंख्यक युवाओं को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए विभिन्न उपायों पर भी चर्चा की गई। कौशल विकास, तकनीक आधारित शिक्षा और रोजगारोन्मुख कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने पर सरकार विशेष ध्यान देगी।

इस सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए अरबाज पठाण ने कहा, यह लड़ाई केवल समिति की नहीं बल्कि पूरे समाज की थी। एकजुटता से मिली इस सफलता का श्रेय सभी समाज के लोगों को जाता है।

इन घटनाक्रमों से मुस्लिम समाज की लंबित मांगों को न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ी है और अब सबकी नजर इस बात पर है कि इन निर्णयों को जमीन पर कैसे लागू किया जाता है।

इंसानियत का पैमाना यही कि एक-दूसरे के दुख में आंसू आएं-डॉ. रफीक पारनेरकर

गेवराई में सर्वधर्मीयों के लिए मस्जिद परिचय कार्यक्रम संपन्न

रिपोर्ट: काजी अमान, गेवराई

गेवराई: यदि किसी मुस्लिम के जाने पर हिंदुओं की आंखों में आंसू आएं और किसी हिंदू के जाने पर मुस्लिमों की आंखों में आंसू आएं, तभी जीवन सार्थक होगा। यह विचार प्रसिद्ध वक्ता डॉ. रफीक पारनेरकर ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इंसान को इंसान बनाना ही मस्जिद का मुख्य उद्देश्य है।

गेवराई में सद्भावना मंच की ओर से अंतरधार्मिक सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से २४ अप्रैल २०२६ को शुक्रवार की नमाज के बाद हाफिजिया मस्जिद में मस्जिद परिचय विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के लोगों को मस्जिद के महत्व और इस्लाम की शिक्षाओं के बारे में जानकारी दी गई।

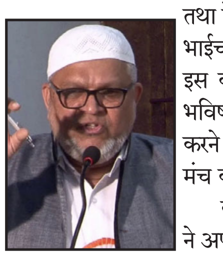

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रफीक पारनेरकर ने की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सभी मनुष्य एक ही माता-पिता की संतान हैं, इसलिए हम सभी आपस में भाई-बहन हैं। समाज और देश की प्रगति के लिए जाति और धर्म से ऊपर उठकर सोचने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि कुरआन, बाइबल, ज्ञानेश्वरी और सूफी संतों की शिक्षाओं में मानवता, प्रेम और भाईचारा ही मुख्य संदेश है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विलास सोनवणे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हम सभी एक हैं और समाज तथा देश की प्रगति शांति, एकता और भाईचारे के बिना संभव नहीं है। उन्होंने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया और सद्भावना मंच की स्थापना की घोषणा की।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. पारनेरकर ने अपने प्रभावी भाषण में पुनः जोर देते हुए कहा कि जब एक मुस्लिम की अंतिम यात्रा में हिंदुओं की आंखों में आंसू आएं और एक हिंदू की अंतिम यात्रा में मुस्लिमों की आंखों में आंसू आएं, तभी सच्चे अर्थों में मानवता और आपसी प्रेम का निर्माण होगा।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को कुरआन का मराठी अनुवाद सहित जानकारीपूर्ण शैक्षणिक पुस्तकें भेंट की गईं, जिन्हें उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। इस कार्यक्रम में बीड से सय्यद शफीक हाशमी, पूर्व प्राचार्य गयासुद्दीन सर, इंजीनियर मुजाहिद कादरी, परळी से सय्यद इफ्तेखार, शेख नवाबभाई सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफलता के लिए गेवराई के मुहम्मद इलियास और मोमिन सय्यद एजाज ने विशेष प्रयास किए। यह कार्यक्रम अंतरधार्मिक एकता, भाईचारा और सामाजिक सद्भाव बढ़ाने का एक उत्कृष्ट उदाहरण साबित हुआ है, जिसकी हर स्तर पर सराहना की जा रही है।

अजित दादा ही मेरे राजनीतिक गुरु-सांसद बजरंग सोनवणे

स्मृति व्याख्यानमाला का तीसरा पुष्प समर्पित, अर्धप्रतिमा का अनावरण

रिपोर्ट: बीड प्रतिनिधि

बीड (प्रतिनिधि): अजित दादा के साथ रहने के बाद मेरे राजनीतिक जीवन को नई दिशा मिली। मैं जो कुछ भी राजनीति में बना हूं, वह केवल अजित दादा पवार की वजह से बना हूं। वही मेरे राजनीतिक गुरु हैं। यह बात बीड के सांसद बजरंग सोनवणे ने कही। उन्होंने यह भी बताया कि अपने येडेश्वरी शक्कर कारखाने परिसर में अजित दादा का भव्य स्मारक स्थापित किया जाएगा।

महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ द्वारा आयोजित अजित स्मृति व्याख्यानमाला के तीसरे कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने यह विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर पत्रकार संघ की ओर से अजित दादा की अर्धप्रतिमा का अनावरण भी किया गया।

२८ जनवरी को अजित दादा के आकस्मिक निधन के बाद उनकी स्मृतियों को जीवंत रखने और उनके कार्यों को समाज के सामने बनाए रखने के उद्देश्य से इस व्याख्यानमाला की शुरुआत २८ फरवरी से की गई। हर महीने की २८ तारीख को आठवणींचा जागर (स्मरण सभा) के रूप में यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण बडे, दैनिक लोकमत के वरिष्ठ उपसंपादक दिनेश लिंबेकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता हेमाताई पिंपळे, राष्ट्रीय खो-खो प्रशिक्षक चित्राताई आगळे, पत्रकार बालाजी तोंडे और किसान पुत्र धनंजय गुंदेकर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में सांसद सोनवणे ने कहा कि अजित दादा के मार्गदर्शन के कारण ही वे आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि अलग राजनीतिक निर्णय लेने के बावजूद अजित दादा का स्नेह उनके प्रति कभी कम नहीं हुआ। लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उन्हें सबसे पहला बधाई संदेश भी अजित दादा का ही मिला था।

उन्होंने कहा कि अजित दादा निर्णय लेने में तत्पर, स्पष्ट और अपने वचन के पक्के नेता थे। उनके जैसा नेता न पहले हुआ है और न आगे होगा, ऐसा भी उन्होंने कहा।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि जुलाई में अजित दादा के जन्मदिन पर येडेश्वरी शक्कर कारखाने में स्मारक निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा और २८ जनवरी को उसका उद्घाटन किया जाएगा।

इस अवसर पर हेमाताई पिंपळे ने कहा कि अजित दादा के आकस्मिक निधन से बीड जिले के विकास को बड़ा झटका लगा है और उनके कार्यों को जीवंत बनाए रखने के लिए यह पहल सराहनीय है।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य मराठी पत्रकार संघ के प्रदेशाध्यक्ष वसंतराव मुंडे ने कहा कि अजित दादा जैसे जननायक बहुत कम होते हैं और उनके नेतृत्व में कई नेता तैयार हुए, जिनमें सांसद बजरंग सोनवणे भी शामिल हैं।

कार्यक्रम में बीड जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष संतोष मानूरकर ने अजित दादा के जीवन पर आधारित पुस्तक भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का प्रस्तावना अम्रपाली साबळे ने प्रस्तुत किया, संचालन नितीन क्षीरसागर ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रतीक कांबळे ने किया।

१ मई को अल्पसंख्यक संरक्षण हेतु प्रतीकात्मक उपोषण;
शेख फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष फारूक शेख व एस. के. ग्रुप का समर्थन

बीड (प्रतिनिधि): अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए प्रभावी कानून बनाने की मांग को लेकर अल्पसंख्यक संरक्षण संघर्ष समिति की ओर से १ मई २०२६ को बीड जिलाधिकारी कार्यालय के सामने एक दिवसीय प्रतीकात्मक उपोषण आयोजित किया गया है। यह उपोषण सुबह १०:३० बजे से शाम ४ बजे तक चलेगा, जिसमें विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

इस आंदोलन में मुस्लिम, बौद्ध, सिख, ईसाई, जैन, पारसी और यहूदी समुदायों के संरक्षण के लिए अलग और प्रभावी कानून बनाने की मांग की जाएगी। आयोजकों ने कहा है कि वर्तमान परिस्थितियों में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है।

इस बीच शेख फाउंडेशन तथा एस. के. ग्रुप ने इस उपोषण को अपना समर्थन घोषित किया है। शेख फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष फारूक शेख ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए होने वाले इस आंदोलन में वे सक्रिय भागीदारी करेंगे। दोनों संस्थाओं ने समाज के सभी वर्गों से इस आंदोलन में सहयोग करने की अपील की है।

इस पृष्ठभूमि में प्रशासन का ध्यान भी इस आंदोलन की ओर गया है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं, ऐसी जानकारी सूत्रों से प्राप्त हुई है।

मुस्लिम आरक्षण के संरक्षण के लिए १ मई को आंदोलन, बीड से मुंबई और दिल्ली तक ध्यान आकर्षित करने का प्रयास-एड. प्रो. इलियास इनामदार

रिपोर्ट: बीड प्रतिनिधि

बीड (प्रतिनिधि): मुस्लिम आरक्षण आंदोलन को और अधिक गति एवं मजबूती देने के उद्देश्य से महाराष्ट्र दिवस, १ मई को मुस्लिम समाज के आरक्षण संरक्षण के लिए आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन के माध्यम से बीड से लेकर मुंबई और दिल्ली तक ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया जाएगा। यह जानकारी आंदोलन के प्रमुख एड. प्रो. इलियास इनामदार ने दी है।

उन्होंने बताया कि आंदोलन से पहले मराठा आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटील से भी मुलाकात की जाएगी।

आंदोलनकर्ताओं के अनुसार, अदालत द्वारा स्वीकृत मुस्लिम आरक्षण को राज्य सरकार द्वारा रद्द किए जाने के विरोध में यह आंदोलन किया जा रहा है। साथ ही मांग की गई है कि उचित संशोधन कर मुस्लिम समाज को १० प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। सच्चर समिति, रंगनाथ मिश्रा आयोग तथा महमूदुर रहमान समिति की सिफारिशों के आधार पर महाराष्ट्र में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से मुस्लिम समाज की शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति का सर्वेक्षण कराया जाए।

अन्य मांगों में अल्पसंख्यक जिला समितियों का गठन, स्वीकृत उर्दू घरों का तत्काल निर्माण, तथा स्वीकृत बालिका छात्रावासों के लिए भूमि उपलब्ध कराकर उन्हें शीघ्र शुरू करने की मांग शामिल है।

इन प्रमुख मांगों को लेकर १ मई को यह आंदोलन किया जाएगा। साथ ही चेतावनी दी गई है कि आवश्यकता पड़ने पर इस आंदोलन को अनिश्चितकालीन अनशन में भी परिवर्तित किया जा सकता है।

आंदोलनकर्ता इलियास इनामदार ने बीड जिले की जनता, विशेषकर मुस्लिम समाज से अपील की है कि वे इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें।

पान १ वरून

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड मतदान...

राजनीतिक स्थिरता और जनधारणा पर भी असर पड़ सकता है। क्षेत्रवार मतदान, खासकर निर्णायक सीटों का रुझान, अंतिम परिणाम को समझने में अधिक महत्वपूर्ण होता है। साथ ही अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों की भागीदारी भी चुनावी समीकरणों को प्रभावित करती है।

मौसम, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियां भी मतदान प्रतिशत को प्रभावित करती हैं, लेकिन नेताओं के बयानों में इन पहलुओं का उल्लेख कम ही देखने को मिलता है। अधिकतर मामलों में भावनात्मक अपील को तथ्यात्मक सटीकता पर प्राथमिकता दी जाती है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऐसे बयान राजनीतिक रणनीति का हिस्सा होते हैं।

मतदाता जागरूकता अभियान, चुनाव आयोग के प्रयास और सरकारी तंत्र की सक्रियता भी अधिक मतदान में योगदान देती है। हालांकि, इन दावों की विश्वसनीयता तभी बढ़ती है जब उन्हें पारदर्शी और आधिकारिक आंकड़ों से समर्थन मिले। गलत या बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावे जनता के भरोसे को कमजोर कर सकते हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि रिकॉर्ड मतदान का दावा चुनावी राजनीति में एक प्रभावशाली उपकरण है, लेकिन इसकी सच्चाई और महत्व का सही आकलन केवल तथ्यात्मक और निष्पक्ष विश्लेषण के आधार पर ही किया जा सकता है।

अणुशक्तिनगर में अल्पसंख्यक...

शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से अल्पसंख्यक समाज के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही अल्पसंख्यक युवाओं को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने और उन्हें रोजगारोन्मुख बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बैठक में 'मार्टी' (Minority Research and Training Institute) संस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। संस्था के लिए अलग लेखा खोलने, कार्यप्रणाली को मजबूत करने हेतु स्वीकृत पदों को तत्काल भरने तथा अस्थायी रूप से किराए के आधार पर कार्यालय शुरू करने के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाया गया।

सरकार ने स्पष्ट किया कि कौशल विकास, तकनीक आधारित शिक्षा और रोजगार उन्मुख योजनाओं के माध्यम से युवाओं को सक्षम बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

यह बैठक सह्याद्री राज्य अतिथि गृह, मलबार हिल, मुंबई के सभागार क्रमांक ४ में आयोजित की गई।

मुस्लिम संरक्षण आंदोलन...

अशफाक इनामदार, मोमिन जकी सोदागर,बालासाहेब गुंजाळ, जैतुल्ला खान, सय्यद शाहजहां, अधिवक्ता जावेद कुरैशी, नगरसेवक दत्तात्रेय मुंडा, महेश पांडे, उपनगराध्यक्ष शेख बिलाल, संभाजी जाधव,फर्रुख इनामदार, शेख बबलू, सय्यद इलियास, वाजेद कुरैशी, दत्ता जाधव, भीमराव हावे, मोहन गोडसे, रणजीत बनसोडे वकील सर, फारोक पटेल, और प्रमोद शिंदे सहित अनेक पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हैं।

जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष १ मई को होने वाले इस आंदोलन में अधिक से अधिक लोगों से भाग लेने की अपील नगराध्यक्ष प्रभाताई पारवे सहित सभी पदाधिकारियों और नगरसेवकों ने की है।

मुस्लिम समुदाय के विकास योजनाओं...

राज्य सरकार विशेष ध्यान देगी।

इस संबंध में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष शेख निजाम ने उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि अल्पसंख्यक पायाभूत सुविधाओं और अन्य योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए।

महाराष्ट्र दिवस पर सुनेत्रा...

सौंपी गई। हालांकि पालक मंत्री बनने के बाद अब तक उनका बीड दौरा नहीं हुआ था। ऐसे में जिले में यह भावना व्यक्त की जा रही थी कि कम से कम महाराष्ट्र दिवस पर ध्वजारोहण उनके हाथों होना चाहिए।

इसी मांग को ध्यान में रखते हुए अब संशोधित सरकारी आदेश जारी किया गया है, जिसके अनुसार सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर बीड में ध्वजारोहण करेंगी। पालक मंत्री के रूप में यह उनका पहला बीड दौरा होगा।

इस दौरे के दौरान अन्य कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, इसकी जानकारी अभी सामने आनी बाकी है।

मस्साजोग ग्राम पंचायत उपचुनाव...

की राजनीति में नया समीकरण बनने की संभावना जताई जा रही है। समर्थकों में खुशी का माहौल है और इसे बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

इस उपचुनाव के नतीजे ने यह साबित कर दिया कि जनता का मूड समय के साथ बदलता है और निरंतर संपर्क व कार्य के आधार पर बड़ा जनसमर्थन हासिल किया जा सकता है।

विधायक अबु आसेम आजमीने ...

मराठी भाषा को लेकर भी विस्तृत बातचीत हुई। विधायक अबु आसेम आजमी ने विशेष रूप से बुजुर्ग चालकों और अन्य राज्यों से आए टैक्सी एवं ऑटो चालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था बनाने की मांग रखी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए आश्वासन दिया कि यह चिंता का विषय नहीं है और बाहर से आए चालकों के लिए भी समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए संतुलित और व्यावहारिक निर्णय लिया जाएगा।

इस मुलाकात को त्योहारों की तैयारियों और परिवहन नियमों के संदर्भ में अहम माना जा रहा है, जिससे राज्य में सामाजिक सौहार्द और सुचारू व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com